

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 मई, 2023

समलैंगिक जोड़ों के जीवन को आसान बनाएगी सरकार

केंद्र ने [सर्वोच्च न्यायालय](#) को सूचित किया कि विवाह बैंकिंग, बीमा आदि जैसे क्षेत्रों में अपने दैनिकी जीवन में समलैंगिक जोड़ों द्वारा सामना की जाने वाली "वास्तविक, मानवीय चिंताओं" का निदान करने हेतु प्रशासनिक उपायों पर विचार करने के लिये **कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में एक समिति** बनाने को तैयार है। सर्वोच्च न्यायालय ने सुझाव दिया है कि **समलैंगिक जोड़े इसे ऑल-ऑर-नॉन दृष्टिकोण** के बजाय **भविष्य में सुधार की नींव** के रूप में देखें। हालाँकि याचिकाकर्ता कानूनी रूप से **समलैंगिक विवाह** को मान्यता देने हेतु न्यायालय से न्यायिक घोषणा की मांग कर रहे हैं, यह तर्क देते हुए कि विवाह **एक शिष्टे को अर्थ, उद्देश्य और पहचान देता है**। न्यायालय ने कहा कि भले ही यह समलैंगिक विवाह को मान्यता दे, इन संबंधों से उत्पन्न होने वाली मानवीय चिंताओं को दूर करने हेतु प्रशासनिक एवं विधायी परिवर्तनों की अभी भी आवश्यकता होगी। सरकार इन मानवीय चिंताओं को दूर करने हेतु तैयार है लेकिन **समलैंगिक संबंधों को विवाह का दर्जा देने के लिये अनिच्छुक है**।

और पढ़ें... [समलैंगिक विवाह: समानता हेतु संघर्ष](#)

अंग दान और प्रत्यारोपण नरिदेश पुस्तिका

भारत में [राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन](#) (National Organ and Tissue Transplant Organisation- NOTTO) अस्पतालों में **अंग दान और प्रत्यारोपण कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू करने के लिये प्रत्यारोपण समन्वयकों** के प्रशिक्षण के लिये एक प्रत्यारोपण मैनुअल/नरिदेश पुस्तिका तथा मानक प्रक्रिया विकसित कर रहा है। NOTTO ने **समन्वय, प्रशिक्षण एवं मानव संसाधन/लेखा के लिये वर्टिकल भी बनाए हैं**। भारत सरकार ने अंगदान करने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कल्याणकारी उपाय के रूप में 42 दिनों तक का वरिष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया है। **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि देश में अंग प्रत्यारोपण की संख्या वर्ष 2013 में 5,000 से बढ़कर वर्ष 2022 में 15,000 से अधिक हो गई है**, इसका प्रमुख कारण राष्ट्रीय, राज्य तथा क्षेत्रीय स्तर पर अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठनों के नेटवर्क के माध्यम से बेहतर समन्वय है। वर्ष 2016 में 930 मृतक दाताओं से प्राप्त 2,265 अंगों का प्रत्यारोपण हेतु उपयोग किया गया था, जबकि वर्ष 2022 में 904 मृत दाताओं से प्राप्त 2,765 अंगों का उपयोग किया गया।

और पढ़ें... [राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण दिशा-नरिदेश](#)

RVNL को नवरत्न का दर्जा

RVNL को नवरत्न का दर्जा प्रदान कर इसे अधिक परिचालन स्वतंत्रता, वित्तीय स्वायत्तता और शक्तियों का प्रत्यायोजन प्रदान किया गया है **रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL)**, रेल मंत्रालय के तहत **केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम**, को नवरत्न का दर्जा दिया गया है। इस कंपनी को वर्ष 2003 में नवरत्न की सूची में शामिल किया गया था, जसि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को लागू करने और वरिष प्रयोजन वाहनों (SPV) के लिये अतिरिक्त बजटीय संसाधन जुटाने के लिये स्थापति किया गया था। RVNL ने 2005 में परिचालन शुरू किया और **वर्ष 2013 में इसे मनी-रत्न का दर्जा दिया गया**। RVNL रेल परियोजना के विकास एवं कार्यों के निष्पादन, परियोजना वरिषिट SPV बनाने तथा संचालन एवं रखरखाव हेतु संबंधित क्षेत्रीय रेलवे को पूरी की गई रेलवे परियोजनाओं को सौंपने के लिये ज़िम्मेदार है। RVNL को नवरत्न का दर्जा प्रदान करने से इसे अधिक परिचालन स्वतंत्रता, वित्तीय स्वायत्तता और शक्तियों का प्रत्यायोजन प्रदान किया गया है। नवरत्न का दर्जा भारत सरकार द्वारा चुनवि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (PSEs) को दी गई एक मान्यता है, जनिके पास वित्तीय और परिचालन स्वायत्तता है। यह स्थिति PSEs को केंद्र सरकार से बिना किसी अनुमोदन के 1000 करोड़ रुपए तक का निवेश करने में सक्षम बनाती है, जसिसे वे नरिणय लेने, कार्मिक प्रबंधन और संयुक्त उपक्रमों में अधिक लचीलापन ला सकें।

और पढ़ें... [REC को महारत्न का दर्जा](#)

मेटावैलेंट बॉन्डिंग

जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बंगलूरु के वैज्ञानिकों की एक टीम ने **ठोस पदार्थों में एक नए प्रकार के रासायनिक बंधन की खोज की है जसि मेटावैलेंट बॉन्डिंग कहा जाता है**। इसमें धातुओं में मौजूद बॉन्डिंग और ग्लास में पाए जाने वाले बॉन्डिंग दोनों के गुण होते हैं, जो रासायन विज्ञान में **शास्त्रीय ऑक्टेड नियम** की अवहेलना करता है। मेटावैलेंट बॉन्डिंग का उपयोग क्वांटम सामग्री **मैथरमोइलेक्ट्रिक प्रदर्शन को अनुकूलित करने और अपशिष्ट गर्मी को कुशलता से बजिली में बदलने के लिये** किया जा सकता है। उन्होंने जाँच के लिये एक **प्रसिद्ध टोपोलॉजिकल इंसुलेटर TlBiSe₂ को चुना** तथा उत्कृष्ट वदियुत गुणों वाली सामग्रियों की खोज ने उन्हें **क्वांटम सामग्रियों** की ओर आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि **TlBiSe₂ मेटावैलेंट बॉन्डिंग को प्रदर्शित करता है**, जो जालीय कतरनी (lattice shearing) के माध्यम से आंतरिक रूप से बखिरने वाले फोनॉस के एक नए तरीके की सुविधा प्रदान करता है। तर्कसंगत रासायनिक डिज़ाइनिंग द्वारा उन्होंने क्वांटम सामग्री में दलिचस्प उभरते गुणों को महसूस किया है, जो **हरति ऊर्जा**

उत्पादन के लिये उत्कृष्ट संभावनाएँ दर्शाता है और भारत के नए लॉन्च किये गए क्वांटम मशिन को एक नई दशा प्रशस्त कर सकता है।
और पढ़ें... राष्ट्रीय क्वांटम मशिन

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-04-may-2023-1>

